बी.ए. द्वितीय वर्ष
प्रथम प्रश्न-पत्र

— अनुकृपा बोन पाल

⟹ मैकियावेली के राज्य सम्बन्धी विचार (State)

→ राज्य की उत्पत्ति का कारण मनुष्य स्वभाव की असुरक्षा और स्वार्थी प्रवृत्ति है। मनुष्य अपने असुविधाओं को दूर करने के लिए राज्य की स्थापना की।

- अतः राज्य एक मानवीय कृत्रिम संस्था है।
- राज्य को अपना अस्तित्व बनाये रखने के लिए मनुष्य की स्वार्थी आकांक्षाओं की निरन्तर पूर्ति करते रहना चाहिए।
- राज्य अन्य सभी संगठनों से उच्च और श्रेष्ठ होता है। समाज के अन्य सभी संगठन राज्य के अधीन एवं उनके अधीन होते हैं।
- राज्य की सुदृढ़ता हेतु भौतिक शक्ति एवं छल-कपट आवश्यक है।
- वे सभी कार्य जो राज्य के लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक हैं, नैतिक कार्य हैं।
- राज्य के प्रकार:
  - सत्य राज्य :— निरन्तर गतिशील एवं एकत्वबद्ध होता है।
  - असत्य राज्य :— गतिहीन होता है।
- राज्य परिवर्तनशील होता है जिसका उत्थान और पतन होता रहता है।

⟹ मैकियावेली के शासन सम्बन्धी विचार (Government)

→ राजतंत्र :— इसकी के समर्थन के लिए राजतंत्र (प्रिंस में) का समर्थन किया है। कानून द्वारा निर्मित निर्वाचित राजतंत्र अच्छा होता है।

→ गणतंत्र :— को सर्वोत्तम शासन-व्यवस्था मानता है। इस सम्बन्ध में मैकियावेली के विचार पुस्तकों से मिलते हैं। गणतंत्र का वर्णन "डिस्कोर्सिज" में किया है।

- गणतंत्र ही एकमात्र ऐसी शासन-व्यवस्था है जिसके संगठित संगठित होकर सम्पूर्ण जनता शासन व्यवस्था में भाग ले सकती है साथ ही शासन-संचालन की कला में शिक्षित होकर कल्याण व प्रगति हो सकती है।

→ कुलीनतंत्र :— को अवांछित और निकृष्ट शासन-व्यवस्था मानता है।

→ जहाँ सम्भव हो वहाँ गणतंत्रात्मक व्यवस्था, जहाँ आवश्यक (आपातकाल में) हो वहाँ राजतंत्रात्मक व्यवस्था परन्तु कुलीनतंत्र व्यवस्था कहीं नहीं होनी चाहिए